

अर्थगौरव पुं. (तत्.) अर्थ की गंभीरता, अर्थ की विशदता।

अर्थग्रहण पुं. (तत्.) अर्थ को समझना, अर्थबोध।

अर्थघटक पुं. (तत्.) भाषा, शब्द का पूरा अर्थ बताने वाले तत्त्व, वाच्यार्थ, ध्वनित अर्थ, अर्थ विस्तार आदि।

अर्थघ्न वि. (तत्.) धन का दुरुपयोग करने वाला, अपव्ययी।

अर्थ-चिंतन पुं. (तत्.) धनोपार्जन के लिए उपाय सोचना।

अर्थच्छाया स्त्री. (तत्.) शब्द के मूल अर्थ के साथ ही अभियुक्त सूक्ष्म अर्थ या भिन्न अर्थ।

अर्थज्ञ वि. (तत्.) 1. अर्थ समझनेवाला 2. तत्त्वज्ञ।

अर्थतंत्र पुं. (तत्.) 1. अर्थशास्त्र 2. धन का शासन।

अर्थतः अव्य. (तत्.) अर्थ की दृष्टि से, वास्तव में, सचमुच, वस्तुतः।

अर्थतत्त्व पुं. (तत्.) 1. अर्थिम, अर्थगुण 2. वास्तविक बात 3. किसी वस्तु का यथार्थ कारण 4. अर्थ-विज्ञान 5. शब्दरूप, धातु रूप।

अर्थद वि. (तत्.) 1. धनदायक, लाभदायक 2. अर्थ बताने वाला पुं. 1. कुबेर 2. धन देने वाला व्यक्ति।

अर्थदंड पुं. (तत्.) 1. जुर्माना, धन जमा करने की सजा 2. क्षतिपूर्ति हेतु लिया जाने वाला धन।

अर्थदर्शी वि. (तत्.) 1. धन संबंधी मुकदमों पर विचार करने वाला 2. व्या. ऐसा (शब्द) जिसका अर्थ स्वयं स्पष्ट हो तु. संबंधदर्शी।

अर्थदूषण पुं. (तत्.) 1. धन का अपव्यय 2. अनुचित रीति से धन ले लेना 3. काव्य अर्थदोष निकालना।

अर्थदोष पुं. (तत्.) 1. काव्य में अर्थ संबंधी दोष तु. शब्ददोष 2. धन संबंधी दोष या अवगुण।

अर्थपरिवर्तन पुं. (तत्.) भाषा शब्द के मूल अर्थ से भिन्न नए अर्थ की अभिव्यक्ति 1. शब्द के अर्थ में बदलाव 2. समय के साथ किसी भाषा के शब्द के अर्थ में होने वाला बदलाव या परिवर्तन।

अर्थपिशाच वि. (तत्.) 1. अत्यंत धनलोलुप, जिसे धनसंचय का बहुत लोभ हो 2. धन प्राप्ति के लिए अत्यंत लोभी व क्रूर हो जाने वाला व्यक्ति।

अर्थप्रकृति स्त्री. (तत्.) नाट्य नाटक के लक्ष्यीभूत आशय को, क्रमशः प्रकट करने वाली नाट्य-स्थितियों बीज, बिंदु, पताका, प्रकरी और कार्य का सामूहिक नाम।

अर्थबुद्धि वि. (तत्.) जिसका मन बराबर धन में लगा रहता है, स्वार्थबुद्धि (व्यक्ति) मतलबी, स्वार्थी।

अर्थभेद पुं. (तत्.) शब्द के अर्थ या अर्थों की भिन्नता, भिन्न-भिन्न अर्थों को पहचानने की शक्ति।

अर्थभेदक वि. (तत्.) जिससे भिन्न अर्थ को समझने में सहायता हो।

अर्थभेदकता स्त्री. (तत्.) अर्थ में अंतर करने का गुण टि. अर्थभेदन से ही स्वनिर्मो तथा अर्थिमों की पहचान होती है दे. अर्थभेदक।

अर्थमंत्री पुं. (तत्.) वित्त मंत्री, वह मंत्री जिस पर राज्य के आर्थिक या वित्तीय कार्यों का दायित्व हो।

अर्थयुक्त वि. (तत्.) अर्थसहित, अर्थपूर्ण, सार्थक।

अर्थयुक्ति स्त्री. (तत्.) 1. लाभ की प्राप्ति 2. धन प्राप्त करने की युक्ति।

अर्थराशि पुं. (तत्.) धन-राशि, प्रचुर धन।

अर्थलाभ पुं. (तत्.) धन या द्रव्य की प्राप्ति।

अर्थलुब्ध वि. (तत्.) 1. धन के लोभ में पड़ा हुआ, लोभी 2. कंजूस।